भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या-1379**

उत्तर देने की तारीख-27/07/2026

**असम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का कार्यान्वयन**

†1379. **श्री परिमल शुक्ला बैद्यः**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने असम में विशेषकर बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता, बहुविषयक शिक्षा तथा बुनियादी चरण में मातृभाषा/स्थानीय भाषाओं के उपयोग के संबंध में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के कार्यान्वयन में हुई प्रगति की समीक्षा की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) पीएम श्री योजना के तहत चयनित स्कूलों का ब्यौरा क्या है और असम में जिला-वार स्वीकृत तथा संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की संख्या कितनी है तथा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, शिक्षक प्रशिक्षण और व्यावसायिक शिक्षा के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) असम में दीक्षा, स्वयं और अन्य ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्मों सहित डिजिटल शिक्षा पहलों की वर्तमान स्थिति क्या है और ग्रामीण, चाय बागान, जनजातीय तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षक नामांकन, छात्रों की भागीदारी, इंटरनेट कनेक्टिविटी और डिजिटल उपकरणों की उपलब्धता का ब्यौरा क्या है; और

(घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान असम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के लिए आवंटित, जारी और उपयोग की गई केंद्रीय निधियों का ब्यौरा क्या है और राज्य भर में न्यायसंगत और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख उपलब्धियों, चुनौतियों और भावी कार्य-योजना का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री**
**(श्री जयन्त चौधरी)**

(क): केंद्र सरकार निरंतर राज्यों के प्रदर्शन की समीक्षा करती है। तदनुसार, यह सूचित किया जा सकता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) की घोषणा के बाद, इसके कार्यान्वयन के लिए स्कूल शिक्षा में कई परिवर्तनकारी बदलाव हुए हैं। कई पहलें की गई हैं और केंद्र प्रायोजित योजनाओं जैसे समग्र शिक्षा, पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री), प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पीएम

पोषण) और समाज में सभी के लिए आजीवन अधिगम को समझना (उल्लास) को एनईपी 2020 के उद्देश्यों और दृष्टिकोण के अनुरूप अनुकूलित किया गया है।

एनईपी 2020 कक्षा 2 तक के सभी बच्चों के लिए सार्वभौमिक बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान (एफएलएन) प्राप्त करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और तदनुसार, विभाग ने एनईपी के तत्वावधान में तथा राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में प्रारंभिक अधिगम के लिए केंद्र प्रायोजित समग्र शिक्षा योजना के साथ संरेखित समझ के साथ पठन और संख्याज्ञान में प्रवीणता हेतु राष्ट्रीय पहल (निपुण भारत मिशन) की शुरूआत की।

देशभर में कार्यान्वित किए गए मिशन के तहत कई हस्तक्षेप प्रारंभ किए गए हैं। इनमें सभी कक्षा 1 के छात्रों के लिए तीन महीने के स्कूल-तैयारी मॉड्यूल विद्या प्रवेश का राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन; निष्ठा (स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल) के माध्यम से बड़े पैमाने पर शिक्षक और स्कूल प्रमुख प्रशिक्षण; कार्यकलाप-आधारित और शिशु-केंद्रित शिक्षाशास्त्र पर ध्यान केंद्रित करने वाला एफएलएन; दीक्षा (डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग) जैसे खेल-आधारित और डिजिटल शिक्षण संसाधनों का प्रावधान; जादुई पिटारा - 3-8 आयु वर्ग के बच्चों के लिए अधिगम शिक्षण सामग्री (एलटीएम) और ई-जादूई पिटारा का संग्रह; मातृभाषा में बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान के लिए 121 स्थानीय भाषाओं में विकसित प्राइमर और छात्रों के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री शामिल है।

इसके अलावा, दिनांक 3 सितंबर 2025 को जारी प्राथमिक विद्यालयों के साथ आंगनवाड़ी केंद्रों के सह-स्थान पर दिशानिर्देश, प्री-स्कूल से कक्षा 1 में सुचारू परिवर्तन का समर्थन करते हुए स्कूल शिक्षा और आंगनवाड़ियों के बीच अभिसरण सुनिश्चित करते हैं।

एनईपी 2020 सभी ज्ञान की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने के लिए विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला, मानविकी और खेलों में बहु-विषयक और समग्र शिक्षा प्रदान करने पर जोर देता है।

असम राज्य ने सूचित किया है कि एनईपी के सक्रिय कार्यान्वयन के लिए निम्नलिखित प्रमुख पहलें की गई हैं -

- निपुण एक्सम के तहत एफएलएन केंद्रित पाठ्यपुस्तकों और कार्यपुस्तिकाओं/गतिविधि पुस्तकों का विकास।
- एनसीएफ-एफएस फ्रेमवर्क 2022 और पूर्व-प्राथमिक और प्राथमिक कक्षाओं में अनुभवात्मक और खेल आधारित अधिगम विधियों का एकीकरण।
- निपुण भारत के तहत एफएलएन शिक्षाशास्त्र और मूल्यांकन पर शिक्षक प्रशिक्षण।
- प्रभावी कक्षा विनिमय हेतु जादुई पिटारा की सूची से 12 क्षेत्रीय भाषाओं में टीएलएम (शिक्षण शिक्षण सामग्री) का संदर्भीकरण और अनुवाद।
- ई-जादूई पिटारा की सामग्री पर बाल वाटिका शिक्षकों का प्रावधान और उन्मुखता।
- कक्षा I के लिए प्रवेश की आयु छह वर्ष की अधिसूचना।

- 10+2 और उससे अधिक की शैक्षणिक योग्यता रखने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं/पूर्व-प्राथमिक शिक्षकों के लिए ईसीसीई पर छह महीने के प्रमाणन पाठ्यक्रम का विकास।
- एनईपी 2020 के अनुसार शिक्षा के सभी चार चरणों में निर्देशों के माध्यम का संरेखण।
- शैक्षणिक वर्ष 2025 से चयनित स्कूलों में शिक्षा के माध्यम के रूप में स्थानीय भाषाओं जैसे मिसिंग, देवरी, तिवा आदि की शुरुआत। असम में कुल 38390 स्कूल कम से कम V कक्षा तक मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करते हैं।
- बुनियादी स्तर पर समग्र प्रगति कार्ड (एचपीसी) के उपयोग के माध्यम से रचनात्मक मूल्यांकन पर जोर दिया गया है। इस प्रयोजन के लिए, एससीईआरटी द्वारा स्थानीय जरूरतों के अनुसार एचपीसी को प्रासंगिक बनाया गया है।

(ख): प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) स्कूलों को एनईपी 2020 उदाहरणपरक स्कूलों के रूप में स्थापित किया जा रहा है और आशा है कि यह अन्य स्कूलों के लिए आदर्श बन जाएंगे। अब तक, यूडाइज़+ डेटा के माध्यम से निर्धारित न्यूनतम बेंचमार्क के आधार पर 33 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से कुल 13,092 पीएम श्री स्कूलों का चयन किया गया है। इसमें असम राज्य में चयनित 382 पीएम श्री स्कूल (राज्य सरकार से जुड़े) शामिल हैं। जिलेवार पीएम श्री स्कूलों का विवरण **संलग्नक-I में दिया गया है**।

जनजातीय कार्य मंत्रालय ने सूचित किया है कि असम के विभिन्न जिलों में 17 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्थापित करने की मंजूरी दी गई है। असम में स्वीकृत और संचालित ईएमआरएस का विवरण **संलग्नक-II में है।**

अवसंरचना सुधार के लिए, असम सहित देशभर में पीएम श्री स्कूलों को प्राथमिक और प्रारंभिक स्कूलों में बिल्डिंग एज लर्निंग एड (बाला) फीचर, जादुइपिटारा, बाल अनुकूल फर्नीचर, आउटडोर खेल सामग्री, अतिरिक्त क्लास रूम, पूरी तरह से सुसज्जित एकीकृत विज्ञान प्रयोगशाला/भौतिकी प्रयोगशाला/रसायन विज्ञान प्रयोगशाला/जीव विज्ञान प्रयोगशाला, स्मार्ट क्लासरूम, कंप्यूटर लैब/आईसीटी प्रयोगशाला, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के लिए कौशल प्रयोगशाला, अच्छी तरह से सुसज्जित खेल सुविधाओं के साथ खेल का मैदान, अतिरिक्त कक्षा कक्ष आदि जैसे घटकों से परिपूर्ण किया गया है।

पीएम श्री योजना के तहत, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डीआईईटी) के माध्यम से शिक्षक प्रशिक्षण को सुदृढ़ किया जाता है। पीएम श्री स्कूलों के क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के लिए प्रति डाइट 3.00 लाख रुपये तक की वित्तीय व्यवस्था है, साथ ही विषय शिक्षकों, प्रधानाचार्यों, विशेष शिक्षकों, आईसीटी शिक्षकों और मुख्य प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए प्रति शिक्षक 2,500 रुपये तक की सहायता भी है। स्कूल के प्रधानाचार्यों को नेतृत्व, प्रबंधन और योग्यता आधारित शैक्षणिक योजना में प्रशिक्षित किया जाता है। शिक्षकों को समग्र प्रगति कार्ड, स्कूल सुरक्षा और सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण, प्रथम-स्तरीय परामर्श, और शिक्षण-अधिगम की प्रथाओं में आईसीटी के एकीकरण पर भी

प्रशिक्षित किया जाता है, जिससे पीएम श्री स्कूलों में समग्र शिक्षण गुणवत्ता और स्कूल नेतृत्व में वृद्धि होती है।

इसके अलावा, एनईपी 2020 के अनुरूप पीएम श्री योजना में माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर मुख्यधारा के पाठ्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करने का प्रावधान है, जो छात्रों को भविष्य के लिए आवश्यक कौशल से लैस करता है। उपस्कर और उपकरण, कच्चा माल, प्रशिक्षकों, प्रशिक्षकों के लिए सेवाकालीन और प्रेरण प्रशिक्षण, छात्रों के लिए व्यवहारिक प्रशिक्षण, क्षेत्र कौशल परिषदों आदि के साथ संबंध प्रदान करके व्यावसायिक और कौशल प्रयोगशालाओं की स्थापना का प्रावधान है। छात्र संगठन/कंपनियों के साथ इंटर्नशिप के माध्यम से तात्कालिक अनुभव प्राप्त करते हैं।

(ग): डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग (दीक्षा) एक राष्ट्र, एक डिजिटल शिक्षा अवसंरचना है। सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को दीक्षा में शामिल किया गया है। यह डिजिटल अवसंरचना कृत्रिम मेधा पर आधारित है और अत्यधिक उन्नतयोग्य है। इस अवसंरचना का उपयोग सक्रिय पाठ्यपुस्तक (ईटीबी) बनाने के लिए भी किया जा रहा है और वर्तमान में 7754 ईटीबी प्रकाशित किए गए हैं और दीक्षा पर कुल 3.67 लाख ई-सामग्री उपलब्ध हैं।

स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स (स्वयम) प्रमुख संस्थानों द्वारा तैयार की गई सामग्री को प्रदर्शित करता है और "कोई भी, कहीं भी, कभी भी" अधिगम दृष्टिकोण के साथ निःशुल्क उपलब्ध है। इस प्लेटफ़ॉर्म पर पाठ्यक्रमों की 20,000 से अधिक प्रदायगी की गई, जिसकी शुरुआत से संचयी नामांकन 6 करोड़ से अधिक है। वर्ष 2025 के दौरान, असम राज्य के कुल 1,11,322 छात्रों को स्वयम पोर्टल पर नामांकित किया गया था।

पीएम ई-विद्या पहल के तहत, स्कूल शिक्षा के लिए स्वयम प्रभा के मौजूदा 12 डीटीएच चैनलों को 200 पीएम ई-विद्या डीटीएच टीवी चैनलों में विस्तारित किया गया है ताकि विशेष रूप से उन प्रशिक्षार्थियों के लिए पाठ्यक्रम आधारित शैक्षिक सामग्री प्रदान की जा सके, जिनके पास इंटरनेट कनेक्टिविटी तक पहुंच नहीं है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान और समावेशी पहुंच को सुविधाजनक बनाने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और स्वायत्त निकायों द्वारा 45 भाषाओं में कुल 1,12,822 वीडियो सामग्री का निर्माण किया गया है, जो प्रसारण के 32,763 घंटों के बराबर है। असम राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार, पीएम ई-विद्या पहल के तहत कक्षा-12 और शिक्षक शिक्षा के छात्रों के लिए 5 डीटीएच टीवी चैनल आवंटित किए गए हैं।

समग्र शिक्षा के आईसीटी और डिजिटल पहल घटक में कक्षा VI से XII तक के सरकारी स्कूल शामिल हैं। इस घटक के तहत स्कूलों में आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लासरूम स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। योजना के मानदंडों के अनुसार राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को 'आईसीटी और डिजिटल पहल' के तहत गैर-आवर्ती/आवर्ती अनुदान उपलब्ध है। असम राज्य सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 10033 उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों में आईसीटी लैब, टेली-एजुकेशन और स्मार्ट क्लासरूम स्थापित किए गए हैं, जो ग्रामीण, शहरी, चाय

बागान और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को प्रभावी ढंग से शामिल करते हैं। इस पहल के तहत कुल 21,04,755 छात्रों और 1,11,946 शिक्षकों को शामिल किया गया है।

(घ): समग्र शिक्षा के तहत, स्कूल शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने और पहुंच, प्रतिधारण तथा गुणवत्ता में सुधार के लिए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को उनकी वार्षिक कार्य योजना और बजट (एडब्ल्यूपी एंड बी) के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। स्कूल छोड़ने के लिए जिम्मेदार विभिन्न कारकों के आधार पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र विभिन्न क्षेत्रों या समुदायों के लिए विशिष्ट दृष्टिकोण का अनुपालन करते हैं। प्रतिधारण सुनिश्चित करने के लिए, स्कूलों में आवश्यकताओं और स्कूलों में अवसंरचना सुविधाओं को संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा उनकी वार्षिक कार्य योजना और बजट (एडब्ल्यूपी एंड बी) में प्रदर्शित उनकी आवश्यकता और प्राथमिकता के अनुसार प्रतिवर्ष वृद्धि के आधार पर तैयार किया जाता है।

पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान समग्र शिक्षा के तहत असम को आवंटित, जारी और उपयोग की गई निधि का विवरण निम्नानुसार है:

| | | **(रु. करोड़ में)** |
|---|---|---|
| **वर्ष** | **कुल उपलब्ध निधियां (प्रारंभिक शेष राशि+केंद्रीय हिस्सा + राज्य हिस्सेदारी)** | **लेखापरीक्षित उपयोगिता प्रमाणपत्र के अनुसार राज्य के हिस्से सहित व्यय** |
| 2023-24 | 2169.85 | 1865.20 |
| 2024-25 | 3039.69 | 2284.91 |
| 2025-26 | 3829.61 | 2785.25* |

*अनंतिम यूसी 2025-26 के अनुसार

*****

**संलग्नक-I**

**"असम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री परिमल शुक्ला बैद्य द्वारा दिनांक 27.07.2026** को **पूछे गए लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 1379 के उत्तर में उल्लिखित संलग्नक**

पीएम श्री स्कूलों की जिलावार संख्या इस प्रकार है:

| **जिले का नाम** | स्कूल की संख्या |
|---|---|
| बक्सा | 9 |
| बारपेटा | 24 |
| बिस्वनाथ | 9 |
| बोंगाईगांव | 10 |
| कछार | 27 |
| चराईदेव | 7 |
| चिरंग | 5 |
| दर्रांग | 11 |
| धेमाजी | 9 |
| धुबरी | 25 |
| डिब्रूगढ़ | 11 |
| दिमा हसाओ | 6 |
| गोलपारा | 13 |
| गोलाघाट | 15 |
| हैलाकांडी | 11 |
| होजाई | 8 |
| जोरहाट | 10 |
| कामरूप-मेट्रो | 4 |
| कामरूप-ग्रामीण | 21 |
| कार्बी आंगलोंग | 8 |
| कोकराझार | 14 |
| लखीमपुर | 13 |
| माजुली | 2 |
| मोरीगांव | 10 |
| नगांव | 22 |
| नलबाड़ी | 9 |
| सिबसागर | 12 |
| सोनितपुर | 12 |
| दक्षिण सलमारा-मनकाचर | 4 |
| श्रीभूमि | 13 |
| तिनसुकिया | 14 |
| उदलगुरी | 9 |
| पश्चिम कार्बी आंगलोंग | 5 |
| **सकल योग** | **382** |

**संलग्नक-II**

**"असम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री परिमल शुक्ला बैद्य द्वारा दिनांक 27.07.2026 को पूछे गए लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 1379 के उत्तर में उल्लिखित संलग्नक**

असम में स्वीकृत और परिचालित ईएमआरएस की जिलेवार स्थिति इस प्रकार है:

| **क्र.सं.** | **जिले का नाम** | **संस्वीकृत** | **कार्यात्मक/परिचालन** |
|---|---|---|---|
| 1 | बक्सा | 3 | 2 |
| 2 | बारपेटा | 1 | 1 |
| 3 | धेमाजी | 1 | 1 |
| 4 | दिमा हसाओ | 4 | 1 |
| 5 | गोलपारा | 1 | - |
| 6 | कामरूप | 1 | - |
| 7 | कार्बी आंगलोंग | 3 | 1 |
| 8 | कोकराझार | 1 | - |
| 9 | उदलगुरी | 1 | - |
| 10 | पश्चिम कार्बी आंगलोंग | 1 | - |
| | सकल योग | **17** | **6** |